

Title: Need to accept the demands of the Central Health Workers (CHW) pending since last twenty four years.

श्री रामजी लाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं जो मुद्दा आज उठाना चाहता हूँ, उसके सम्बन्ध में दो बार पहले भी इस सदन में आग्रह कर चुका हूँ। सदन में गतिरोध वहाँ पैदा होता है, जब लगता है कि सरकार जनसमस्याओं के निवारण हेतु कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है। देश में 3,23,915 जन स्वास्थ्यकर्मी हैं। 1977 में एक हजार की आबादी पर एक जन स्वास्थ्य रक्षक लगाया गया था और उसका मानदेय 50 रुपए मासिक था। 24 साल के बाद भी उसको वही मानदेय मिल रहा है और कई राज्यों में तो वह भी नहीं मिल रहा है। जन स्वास्थ्य रक्षक संगठन के लोग बराबर सरकार से मिलते रहे, प्रयास करते रहे। चार महीने से वे लोग दिल्ली में जंतर मंतर पर धरना देकर बैठे हैं और 11 दिनों तक उन्होंने आमरण अनशन किया और गिरफ्तारियां दीं। जो भी जनतंत्र में विरोध करने के तरीके हो सकते हैं, उन्होंने किए। सरकार ने कहा है कि आपकी दो रिट पीटिशन हाई कोर्ट में विचारधीन हैं, आप उनको वापस लेंगे तो सरकार आपकी बात पर विचार करेगी। इन लोगों ने उन रिट पीटिंशंस को वापस ले लिया। जिस समय इंद्र कुमार गुजराल जी प्रधान मंत्री थे, उन्होंने इस सम्बन्ध में एक विशेषज्ञ समिति बनाई। उस समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी है। यह बहुत गम्भीर मामला है। सब कुछ होने के बावजूद भी सरकार उन लोगों के सम्बन्ध में सार्थक प्रयास नहीं कर रही है। मैं कई बार हिन्दुस्तान के स्वास्थ्य मंत्री जी से मिला हूँ। वे कहते हैं कि वित्त मंत्री जी सहयोग नहीं कर रहे हैं। मैं चाहूंगा कि आज जरूर इस सवाल पर सरकार की तरफ से कोई सार्थक प्रयास होना चाहिए, क्योंकि बहुत समय हो गया है। अध्यक्ष महोदय, इस पर हम आपका संरक्षण चाहते हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप स्वास्थ्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी को अपने चैम्बर में बुलाएं और इस सवाल पर विचार करने का कट करें।...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I am asking the Government. Please hear me first. This matter has been raised by the hon. Member two-three times.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, I would submit that many important issues are raised in the 'zero hour'. I can communicate this to the concerned Minister.

MR. SPEAKER: This matter has been raised by the hon. Member two-three times in the House.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I agree, Sir, but my request to you with all humility is that you allow some kind of a discussion on that when the Minister can be present ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I think, the matter directly concerns the Finance Minister.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : इस सवाल पर सदन में कई बार चर्चा हो चुकी है।

अध्यक्ष महोदय : हम सरकार से पूछ रहे हैं, फिर आप क्यों डिस्टर्ब कर रहे हैं। It seems you do not want any reply from the Government. I am asking the Government and you are disturbing.

कुंवर अखिलेश सिंह : इसका जवाब नहीं आ रहा है।

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं? आपको कुछ भी मालूम नहीं है कि कैसे हाउस में बिहेव करना है। हम गवर्नमेंट से पूछ रहे हैं कि क्या वह इसमें कुछ कर सकती है?

â€¦(ब्यवधान)

MR. SPEAKER: I think, this is relating to the pending arrears of salaries to the Central health workers. It seems, there are some arrears.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YASHWANT SINHA): Sir, I am not in a position to respond off-the-cuff. I can only promise that I would take a copy of the statement, which the hon. Member has made and I will respond him and send a copy to you. ... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलाएंगे। इन्होंने एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस दिया है।

â€¦(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलाएंगे। इन्होंने एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस दिया है।

â€¦(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सबको बुलाएंगे। आपने डिस्टर्ब किया तो मुश्किल काम है।

â€¦(ब्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : आपके आदेश का पालन कर रहा हूँ।

अध्यक्ष महोदय : हमारे पास 15 नोटिस हैं। आप चेयर को डिस्टर्ब मत करिए।